

श्रावन्ती स्त्री. (तत्.) 1. प्राचीन श्रावस्ती नामक नगरी 2. लौंग।

श्राव पुं. (तत्.) सुनने का कार्य, श्रवण।

श्रावक वि. (तत्.) 1. सुनने वाला, सुनने को उत्सुक, शिष्य पुं. 1. बौद्धभिक्षु 2. जैन. विवेकयुक्त सदगृहस्थ।

श्रावग पुं. (तद्.) दे. श्रावक।

श्रावगी पुं. (तद्.) जैन श्रावक।

श्रावण पुं. (तत्.) भारतीय चांद्र मासों में पाँचवा मास जो आषाढ़ के बाद तथा भाद्रपद से पहले आता है वि. सूर्य के परिभ्रमण काल में पृथ्वी जब 'श्रवण' नक्षत्र के पास पहुँचती है वह कालखंड वि. 1. कान से या सुनने से संबंधित 2. श्रवण नक्षत्र से संबंधित 3. श्रवण नक्षत्र में उत्पन्न।

श्रावणा पुं. (तत्.) दध्याली नामक वृक्षविशेष।

श्रावणिक वि. (तत्.) श्रावण मास से संबंधित।

श्रावणी स्त्री. (तत्.) 1. श्रावण मास की पूर्णिमा 2. श्रवण मास की पूर्णिमा को होने वाला रक्षाबंधन पर्व 3. हिंदू धर्म के अनुसार ब्राह्मणों की कुछ शाखाओं का उपाकर्म-पर्व जिसमें होम-हवन के साथ पुराने के स्थान पर नया अभिमंत्रित यज्ञोपवीत धारण किया जाता है और जो प्रतिवर्ष श्रावण पूर्णिमा को मनाया जाता है वि. कुछ ब्राह्मण श्रावण शुक्ल पंचमी को यह पर्व मनाते हैं।

श्रावस्त पुं. (तत्.) कोसल प्रदेश के राजा श्रावक का पुत्र जिसने श्रावस्ती नगरी बसाई थी।

श्रावस्ती स्त्री. (तत्.) एक प्राचीन नगरी। रामायण में इसे ही लव की पुरी 'शरावती' कहा गया है, इसे धर्मपुरी या धर्मपत्तन भी कहा जाता था, यहाँ कुछ समय तक गौतम बुद्ध ने भी निवास किया था अतः यह बौद्धों का भी तीर्थ माना जाता है, आजकल इसके आसपास का क्षेत्र श्रावस्ती जिला है जो पूर्वी उत्तर प्रदेश में है।

श्राविका वि./स्त्री (तत्.) 1. सुनने वाली (श्रावक का स्त्री.) 2. शिष्या 3. बौद्ध भिक्षुणी 4. जैन. अणुव्रत धारिणी साध्वी या सदगृहिणी।

श्राव्य वि. (तत्.) सुनाने योग्य।

श्रित वि. (तत्.) 1. युक्त 2. आश्रित, अवलंबित 3. संबंधित 4. सेवित 5. पका हुआ।

श्रिति स्त्री. (तत्.) आश्रय, सहारा।

श्रिय स्त्री. (तत्.) शोभा, कल्याण, मंगलयुक्त।

श्री स्त्री. (तत्.) 1. धन की देवी लक्ष्मी 2. धन-संपत्ति 3. शोभा, सजावट, शृंगार 4. कांति, प्रभा, चमक 5. ऐश्वर्य, वैभव 6. यश, कीर्ति 7. 'श्रीयुत' की संक्षिप्ति जैसे- श्रीराम, श्रीकृष्ण, श्री बद्रीनाथ धाम।

श्रीकंठ पुं. (तत्.) 1. शिव 2. संस्कृत नाटककार भवभूति का एक नाम।

श्रीकांत पुं. (तत्.) लक्ष्मीपति विष्णु।

श्रीकृष्ण पुं. (तत्.) वसुदेव के पुत्र कृष्ण जो विष्णु के आठवें अवतार माने जाते हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी स्त्री. (तत्.) श्रीकृष्ण का जन्मदिवस जो भाद्रपद कृष्ण अष्टमी को मनाया जाता है।

श्री क्षेत्र पुं. (तत्.) 1. पवित्र (तीर्थ) क्षेत्र 2. जगन्नाथपुरी धाम।

श्रीखंड पुं. (तत्.) 1. चंदन, चंदन का वृक्ष 2. महाराष्ट्र, सौराष्ट्र आदि क्षेत्रों का एक व्यंजन जो दही और चीनी से बनता है।

श्रीखंड शैल पुं. (तत्.) दक्षिणभारत का एक पर्वत जहाँ चंदन के वृक्ष अधिकता से पाए जाते हैं। मलयपर्वत, मलयाचल।

श्रीगणेश पुं. (तत्.) 1. गणेश 2. श्री (लक्ष्मी) और गणेश 3. श्रीयुक्त गणेश 4. ला. प्रारंभ।

श्रीचक्र पुं. (तत्.) 1. भूमंडल, भूगोल 2. तंत्र. देवी त्रिपुरसुंदरी की पूजा के तंत्रोक्त विधान में प्रयुक्त यंत्र टि. यह यंत्र कागज पर लिखित रूप में तथा मूर्ति के रूप में स्फटिक आदि पत्थर तथा धातु से निर्मित भी होता है।